तेरी तेल की ज्योत जगादी काली आवैगी के ना

तेरी तेल की ज्योत जगादी,
काली आवैगी के ना।bd।

तर्ज – यशोदा कृष्ण ने समझा ले।

सुंदर दरबार सजाया,
मां तेरा जगराता करवाया,
जगराते में रौनक लादी,
काली आवैगी के ना।bd।

सेवक बहुत घणे आ रहे सैं,
ध्यान तेरे चरणां मैं ला रहे हैं,
माला फूलां की पहरा दी,
काली आवैगी के ना।bd।

अपणे किसे भगत सिर खेलो,
ध्यान दुखिया की ओड़ां देलो,
तेरी ज्योत से ज्योत मिला दी,
काली आवैगी के ना।bd।

भोग तेरे चरणां बीच धरा सै,
के तनै ना स्वीकार करा सै,
संकट ने देह सुकादी,
काली आवैगी के ना।bd।

कृष्ण पै शान करण आली,
राणा की से देखी भाली,
गलै संगीत सरिता बहादी,
काली आवैगी के ना।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तेरी तेल की ज्योत जगादी,
काली आवैगी के ना।bd।

– गायक / प्रेषक –
कृष्ण जुआं वाले & जागरण पार्टी
9813297388

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com